## अभ्यासः

1. उच्चारणं कुरुत-

| | | |
|---|---|---|
| सूर्यस्तपतु | जीर्णम् | शीतकालेऽपि |
| वारयितुम् | ग्रीष्मे | सस्यपूर्णानि |
| पदत्राणे | कण्टकावृता | क्षुधा-तृषाकुलौ |

2. श्लोकांशान् योजयत-

| क | ख |
|---|---|
| गृहं जीर्णं न वर्षासु | तौ तु क्षेत्राणि कर्षतः, |
| हलेन च कुदालेन | या शुष्का कण्टकावृता |
| पादयोर्न पदत्राणे | सस्यपूर्णानि सर्वदा, |
| तयोः श्रमेण क्षेत्राणि | शरीरे वसनानि नो, |
| धरित्री सरसा जाता | वृष्टिं वारयितुं क्षमम्। |

3. उपयुक्तकथनानां समक्षम् 'आम्' अनुपयुक्तकथनानां समक्षं 'न' इति लिखत-

यथा- कृषकाः शीतकालेऽपि कर्मठाः भवन्ति। [आम्]
कृषकाः हलेन क्षेत्राणि न कर्षन्ति। [न]

क) कृषकाः सर्वेभ्यः अन्नं यच्छन्ति। [आम्]

ख) कृषकाणां जीवनं कष्टप्रदं न भवति। [न]

ग) कृषकः क्षेत्राणि सस्यपूर्णानि करोति। [आम्]

घ) शीते शरीरे कम्पनं न भवति। [न]

ङ) श्रमेण धरित्री सरसा भवति। [आम्]

4. मञ्जूषातः पर्यायवाचिपदानि चित्वा लिखत

| रविः वस्त्राणि जर्जरम् अधिकम् पृथ्वी |
|---|

| | |
|---|---|
| वसनानि | वस्त्राणि |
| सूर्यः | रविः |
| तृषा | पिपासा |
| विपुलम् | अधिकम् |
| जीर्णम् | जर्जरम् |
| धरित्री | पृथ्वी |

5. मञ्जूषातः विलोमपदानि चित्वा लिखत-

| धनिकम्, नीरसा, अक्षमम्, दुःखम्, शीते, पार्श्वे |
|---|

| | | | |
|---|---|---|---|
| सुखम् | दुःखम् | क्षमम् | अक्षमम् |
| दूरे | पार्श्वे | ग्रीष्मे | शीते |
| निर्धनम् | धनिकम् | सरसा | नीरसा |

6. प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-

क) कृषकाः केन क्षेत्राणि कर्षन्ति?
उत्तरम्) कृषकाः हलेन क्षेत्राणि कर्षन्ति।

ख) केषां कर्मवीरत्वं न नश्यति?
उत्तरम्) कृषिकाणां कर्मवीरत्वं न नश्यति।

ग) श्रमेण का सरसा भवति?
उत्तरम्) श्रमेणं धरित्री सरसा भवति।

घ) कृषकाः सर्वेभ्यः किं किं यच्छन्ति?
उत्तरम्) कृषकाः सर्वेभ्यः शाकं अन्न फले दुग्ध च यच्छन्ति।

ङ) कृषकात् दूरे किं तिष्ठति?
उत्तरम्) कृषकात् दूरे सुखं तिष्ठति।